

BA-II Paper

विषय - कहानी
एक गाँव

हिंदी विभाग

डा. जीता कुमारी

Date
Page

10.11.2020

Time - 11.40 to

1.2014

कहानी का संक्षेप

एक गाँव कहानी जेनल् कुमार जी द्वारा लिखी गयी एक प्रसिद्ध कहानी है प्रस्तुत कहानी में अपने गाँव के प्रति हीरा सिंह की ममता और पेम को दर्शाया है हीरा सिंह हरियाणा के किसी जमींदार परिवार

का ~~संस्कृत~~ और दयालु व्यक्ति है।

परन्तु वह आर्थिक संकट से गुजरने के कारण रूढ़ है और उनके पास एकमात्र सम्पत्ति सुन्दरिया गाँव रह गयी है।

इस अपने लड़के के विरोध के कारण वह नही सकता है परन्तु नाकरी की तलाश में वह दिल्ली पहुँच जाते हैं वहाँ उन्हें चौकीदारी की नौकरी मिल जाती है।

एक दिन सठ हरियाणा की कोई गाँव से खरीदने की बात हीरा सिंह से करता है।

वह अपनी गाँव की प्रशंसा कर वहाँ

है। वह अपनी माय की पुरखे अपन पुत्र के विरोध की बात करता है कि वह

बचन के लिए तयार नहीं होगा। पुरखे उसके मन में यह भी विचार उठता है कि यदि वह अपनी माय सेठ के यहाँ बचन देगा तो कम से कम अपनी आखा के

शामन उसे देख सकेगा। किसी तरह अपने बेट को समझा-बुझाकर वह अपनी माय सेठ के यहाँ ले जाता है। हीरा सिंह ने सुन्दरिया को खूब चारा दिया परन्तु दुःख की बात हुई कि सेठ ने

उसी दिन माय को अपनी देखी को आप दिया। माय हीरा सिंह को छोड़कर जाना नहीं चाँही थी। हीरा सिंह ने माय की सेवा करने की खूब इच्छा व्यक्त की परन्तु सेठ नहीं माना।

हीरा सिंह ने कारागारिकु शर में
कहा "जाओ बहिनी जाओ" परन्तु

उसका हृदय गलानि तथा विषाद
से रौ उठा और गाय ने विषाद भरा मुँह

उठाकर माना ऐसा कहा कि क्या तुम
कहे है कि मैं जाऊँ ? हीरा
सिंह ने उस (गाय की) मुँह

वाणी को समझा, उसने प्यार भरी
आवाज में गाय को चपचपाते हुए जान
की विनती की और गाय सचमुच रोती
हुई चली गयी। हीरा सिंह का
हृदय गलानि और विषाद से भर
उठा।

दूसरे दिन गाय 15 सेर के स्थान
पर 5 सेर दूध भी नहीं देती है।
हीरा सिंह गाय के पास जाकर रो-
रोकर अपनी कथा सुनाता है।

और कहता है कि बहिन तू उसे इतना
आभरु और शरणा न कर।

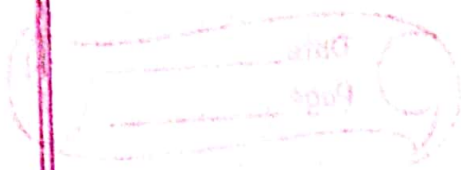
वह दूध दूही गयी उस गाय से

पुनः। उसने दूध निकाल कर देता है
गाय किसी प्रकार दूसरे के हाथ
से दूध देना नहीं पाहती थी। अंत
उस मिला। बुरा कहकर रुपया को वापस

करने की बात करता है परन्तु उसके
पास अब ~~रुपय~~ रुपय कहा था ?

रुपय रखने के हात तो वह अपनी
सुन्दरिया को बचता ही क्यों ?

एक दिन ड्योही पर दूध बरका
फला हुआ देखकर लोगों को
शंका होती है। हीरा सिंह पर चोरी
का आरोप लगता है। गाय के
व्यवहार ने सिंह को कर दिया था।



कि प्रयत्न करके भी कोई दुध नहीं
उतार सकेगा। हीरा सिंह सब
समझ जाता है। अन्न में दो सौ पचास
रुपये का भावना देन को तैयार होकर
हीरा सिंह सुन्दरिया को अपने गाँव
में जा देता है।